हरिभूमि

# झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 5 मई 2025

11 क्यों घबराऊं मैं मेरा श्याम से नाता है...

12 बहादुरगढ़ के बराही रोड पर भर रहा गंदा पानी

## खबर संक्षेप

### कैंसर पीड़ितों के लिए रक्तदान शिविर आज

**झज्जर।** सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया तथा इंडेप्थ विजन फाउंडेशन द्वारा सोमवार को छिक्कारा चौक के नजदीक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। संस्था सदस्य पूनम देशवाल ने बताया कि कैंसर पीड़ितों की सहातार्थ आयोजित इस रक्तदान शिविर में राष्ट्रीय कैंसर इंस्टीट्यूट, एम्स बाढ़सा की टीम सेवाएं देंगी। इस दौरान संस्था सदस्यों द्वारा रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साह बढ़ाया जाएगा बल्कि प्रोत्साहन स्वरूप उपहार भी प्रदान किए जाएंगे।

### मातन में ट्रक चालक को चाकू घोंपा

**बहादुरगढ़।** गांव मातन में चार युवकों ने एक ट्रक चालक को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पंकज ने बताया कि वह ट्रक चलाता है और 27 अप्रैल को अपने दोस्त मनोज के साथ दादा मालदे मंदिर के नजदीक बैठा हुआ था। तभी सुमित, समीर, विनय व साहिल बाइक पर बैठकर वहां आए और मनोज के साथ झगड़ने लगे। पंकज ने मनोज को वहां से भगा दिया। फिर उन चारों ने पंकज के साथ मारपीट शुरू कर दी। इतने में सुमित ने उस पर चाकू से हमला कर दिया, जो पंकज की कमर में लगा। चारों उसे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। घायल पंकज ने अपने पिता को फोन करके बुलाया और वे उसे बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में ले गए। जहां से उसे इलाज के लिए पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया गया।

### कार की टक्कर से बाइक चालक घायल

**बहादुरगढ़।** नाहरा-नाहरी रोड पर मुकंदपुर मोड़ के निकट एक कार ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया। जानकारी के अनुसार गोच्छी निवासी मंजीत सिंह पटेल नगर में रहता है और शेटरिंग का काम करता है। एक मई को वह लेबर लेने के लिए बहादुरगढ़ से खैरपुर जा रहा था। मुकंदपुर मोड़ के निकट पीछे से आ रही सेलेरियो गाड़ी ने उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। एक राहगीर ने उसे ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया।

### दफ्तर का ताला तोड़कर चोरी, केस दर्ज

**बहादुरगढ़।** शहर की माया विहार कॉलोनी में स्थित एक दफ्तर का ताला तोड़कर अज्ञात आरोपी कई उपकरण चुरा ले गए। गांव परनाला निवासी श्याम सुंदर ने निजामपुर रोड पर माया विहार कॉलोनी में ऑफिस बना रखा है। शुक्रवार शाम को वह अपने ऑफिस को बंद करके आया था। लेकिन रविवार सुबह जब वह वहां गया तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ मिला। चैक करने पर एक विंडो एसी पानी की मोटर, इंवर्टर बैटरी आदि गायब मिले।

### रोहद से छह माह पहले खरीदा कैंटर चोरी

**बहादुरगढ़।** गांव रोहद में स्थित यूनियन के निकट खड़ा कैंटर चोरी हो गया। रोहद निवासी अजय ने छह महीने पहले कैंटर खरीदा था, जिसे उसने शनिवार शाम को यूनियन के पास खड़ा किया था। लेकिन दोपहर में गाड़ी वहां नहीं मिली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### दिल्ली-रोहतक रोड पार्किंग से बाइक चोरी

**बहादुरगढ़।** शहर के दिल्ली रोहतक रोड पर स्थित पार्किंग से एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। छारा निवासी गौरव ने बताया कि शुक्रवार को वह अपनी मोटरसाइकिल पार्किंग में खड़ी करके बस से मुंडका गया था। लेकिन शनिवार सुबह वापिस आया तो बाइक वहां नहीं थी। उसकी शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 के तहत केस दर्ज किया है।

# आंधी में उखड़ा वट वृक्ष दोबारा लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

## सेक्टर-2 में क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट की मदद से वट वृक्ष को दिया नया जीवन

शहर के सेक्टर-2 में दो दिन पहले आंधी से गिरे कई वर्ष पुराने वट वृक्ष को नए सिरे से रोपित कर उसको पुनर्जीवन देने का मामला सामने आया है।

स्थानीय निवासी विनोद शर्मा और अजय गुलिया के जेहन में इस पेड़ को नया जीवन देने का ख्याल आया तो उन्होंने क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट से संपर्क किया और ट्रस्ट के सदस्यों ने इस सोच को साकार रूप दे दिया। जी हां, बात सिर्फ एक पेड़ को दोबारा जिंदगी देने की नहीं है, बल्कि प्रकृति और वृक्षों से प्रेम को उजागर करने की है। शहर के सेक्टर-2 में पुलिस थाना और सामुदायिक केंद्र के बीच स्थित पार्क में वीरवार रात को आई आंधी में बरगद का पेड़ उखड़ गया था। विनोद शर्मा और अजय गुलिया के संपर्क करने पर क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट के योद्धा वजीर दहिया, मुकेश शर्मा व प्रदीप रेढू मौके पर पहुंचे। उन्होंने जेसीबी से पहले गड्ढा खुदवाया और फिर जमींदोज हुए वट वृक्ष को पर्यावरण प्रहरियों के साथ मिलकर खड़ा कर दिया।

**बहादुरगढ़।** वट वृक्ष को दोबारा खड़ा करने के बाद खुशी जाहिर करते ट्रस्ट सदस्य।

**पेड़ गिरने से दुःखी थे शहरी**

उन्हें उम्मीद है कई वर्ष पुराने इस पेड़ को नया जीवन मिल जाएगा। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बारिश और आंधी से जब यह पेड़ गिरा था तो उन्हें बहुत दुःख हुआ। लेकिन क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट के सदस्यों ने इसे दोबारा जीवित कर दिया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

# किला मोहल्ले में कई कारों के शीशे टूटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

## असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद, पांच वाहनों को नुकसान, मारे पत्थर व डंडे

इन दिनों असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं और वे आपराधिक घटनाओं को सरेआम अंजाम देने में लगे हैं। बहादुरगढ़ के किला मोहल्ला में बीती रात को शरारती तत्वों ने जमकर उत्पात मचाया और यहां खड़ी कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए।

रविवार की सुबह वाहन मालिकों को वारदात का पता चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बता दें कि शनिवार रात से रविवार सुबह के दौरान अज्ञात आरोपियों ने किला मौहल्ला में खड़ी 5 गाडियों के शीशे तोड़ दिए। ऐसा लगता है कि पत्थर या डंडे से गाड़ियों पर वार करके शीशे तोड़े गए हैं। इस वारदात से वाहन मालिकों को काफी नुकसान हुआ है। लोगों ने इस घटना पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि उनकी किसी के साथ कोई रंजिश भी नहीं है, लेकिन उनकी कारों के शीशों को किसने और क्यूं तोड़ा है, इसकी जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने मामले से पुलिस को भी अवगत करवा दिया है।

**बहादुरगढ़।** शरारती तत्वों द्वारा तोड़े गए कारों के शीशे।

**पुलिस को सूचना दी कार्रवाई की मांग**

हालांकि शाम तक इस संबंध में केस दर्ज नहीं हो पाया था। शिकायतकर्ताओं के अनुसार आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से गाड़ियों को नुकसान पहुंचाने वाले का सुराग लग सकता है। वाहन चालकों ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने मामले से पुलिस को जानकारी दी गई है। आरोपियों को जल्द पकड़ा जाए।

# नीट परीक्षा को लेकर दिनभर अलर्ट रहा प्रशासन, छह केंद्रों पर 1920 परीक्षार्थियों ने दिया पेपर, 48 अनुपस्थित

■ डीसी और डीसीपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण ■ सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम ■ परीक्षा केंदों को नाके लगाकर किया सील

**पुख्ता तैयारी**

- उपायुक्त व पुलिस अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरे और अन्य व्यवस्थाएं खुद जांची
- अधिकारियों ने केंद्र अधीक्षक व अन्य कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए
- परीक्षा केंद्रों के नजदीक फोटोस्टेट मशीन व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की दुकाने रही बंद
- केंद्रों के 200 मीटर के अंदर आम लोगों को नहीं जाने दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा सभी छह परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके और नकल रहित संपन्न हुई। परीक्षा को लेकर दिनभर प्रशासन अलर्ट रहा। डीसी प्रदीप दहिया ने जिले में बनाए गए परीक्षा केंद्रों को डीसीपी लोगेश कुमार पी के साथ औचक निरीक्षण किए। उन्होंने परीक्षा शुरू होने से पूर्व परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजन की नियमानुसार सीसीटीवी के अलावा अन्य जरूरी व्यवस्था चैक की,साथ ही परीक्षा केंद्र अधीक्षक व स्टाफ से भी पूछताछ की। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि प्रश्न पत्र सही तरीके से गोपनीयता के साथ परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे।

### पुलिस ने लगाई गश्त

परीक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। परीक्षा केंद्रों को नाके लगाकर सील कर दिया गया और पुलिस की गाड़ियां दिनभर गश्त करती रही। सुरक्षा की दृष्टि से जिन स्कूलों में केंद्र बनाए गए, उसके नजदीक फोटोस्टेट मशीन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वाली दुकानों को बंद रखा गया। परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रही। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए समूची व्यवस्था पर नजर रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त रहे। परीक्षा केंद्रों के आसपास आम लोगों को जाने नहीं दिया।

**झज्जर।** परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए कतारबद्ध खड़े परीक्षार्थी।

**झज्जर।** प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थी की जांच करते हुए पुलिसकर्मी।

**नो ...नॉजपिन**

**माता-पिता की ... परीक्षा**

**परीक्षा केंद्रों पर ये रही स्थिति :** रविवार को आयोजित नीट परीक्षा के लिए जिला में सभी छह परीक्षा केंद्रों पर 1968 परीक्षार्थियों के लिए व्यवस्था की गई थी। जिनमें 48 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी खुम्मार में 259, पीएम श्री गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 397, गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 465, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में 281, केंद्रीय विद्यालय, 237 और पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय किलोई में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर 281 परीक्षार्थियों ने नीट परीक्षा में भाग लिया। इनमें 7 डिसएबल्ड परीक्षार्थी भी शामिल रहे।

**परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे उपायुक्त**

# दो श्रमिकों की मौत: एक ट्रैक्टर से नीचे जा गिरा, दूसरे को फर्राटे से लग गया करंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव पाहसौर के नजदीक ट्रैक्टर से नीचे गिरने के कारण एक ईंट भट्ठा मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान मूलरूप से बिहार के नवादा जिले के असवान गांव निवासी गुड्डू कुमार पुत्र रामदेव मांझी के तौर पर हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुड्डू कुमार यहां बादली क्षेत्र के ईंट भट्ठा पर मजदूरी करता था। वह बीते शुक्रवार की रात अपने साथियों के साथ स्थानीय कच्चा बादली रोड से सब्जी व राशन लेने आया था। सामान की खरीददारी के बाद जब वे ट्रैक्टर-ट्राली पर वापिस ईंट भट्ठा लौट रहे थे तो पाहसौर गांव के नजदीक अचानक वह नीचे गिर गया। बाद में उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह भिजवाया तथा परिजनों को हादसे की सूचना दी।

**झज्जर।** पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

### गुड्डू कुमार की आठ माह पहले ही हुई थी शादी

गुड्डू कुमार की करीब सात-आठ माह पहले ही शादी हुई थी। मामले के जांच अधिकारी अभिषेक ने बताया कि शनिवार की देर शाम तक परिजनों के न पहुंच पाने के कारण मृतक के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। रविवार को परिजनों के पहुंचने के उपरांत शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मृतक के पिता के बयान पर इतिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

### नहाने के बाद जमीन पर लेटा था, पंखा ऊपर गिरा

**झज्जर।** क्षेत्र के गांव ढाकला में करंट की चपेट में आने से एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई। यह हादसा उस दौरान हुआ जब शनिवार की देर शाम नहाने के बाद जमीन पर लेट गया और उसने फर्राटा पंखा चला लिया। मृतक की पहचान मूल रूप से यूपी के पीलीभीत जिला निवासी करीब 26 वर्षीय अनुज पुत्र जगेश्वर के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी जिले सिंह ने बताया कि अनुज पिछले करीब दो माह से यहां ढाकला गांव में मेहनत-मजदूरी करने आया था तथा किराए पर रहता था। शनिवार की शाम वह काम से लौटा तो उसने जमीन पर बिस्तर बिछा लिया और एक फर्राटा पंखा चला लिया। इसके बाद जब वह नहाकर आया तो बिस्तर पर लेट गया। इसी दौरान अचानक फर्राटा पंखा उसके ऊपर आ गिरा और वह करंट की चपेट में आ गया।

## अशोक नगर में घर की अलमारी से 6.50 लाख चोरी

**बहादुरगढ़।** शहर के अशोक नगर में एक मकान में रखे साढ़े 6 लाख रुपए चोरी हो गए। यहां रहने वाला मोहित श्योराण मर्चेंट नेवी में कार्यरत है। उसका विदेश में आना-जाना लगा रहता है। उसे 18 मई 2025 को अपने लड़के का एक प्रोगाम करना था। इसके लिए वह 3 महीने की छुट्टी लेकर 21 अप्रैल को आया था।

■ मर्चेंट नेवी में कार्यरत युवक के घर वारदात से हड़कप

### 7500 डॉलर बदलवाए थे

उसे अमेरीकी डॉलर्स में वेतन मिलता है। मोहित ने 23 अप्रैल को 7500 डॉलरों को भारतीय मुद्रा में बदलवाया था। जिसके एवज में उसे साढ़े 6 लाख रुपए मिले थे। यह रकम उसके कमरे की अलमारी में रखी थी। लेकिन शनिवार को जब वह बैंक से वापिस आया तो पैसे अलमारी से गायब थे। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 305 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# तीन पिस्तौल, बारह जिंदा कारतूस के साथ 3 काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

पुलिस की दो अलग-अलग टीमों ने शहर में एक बड़ी वारदात को होने से पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें दो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी तथा एक बहादुरगढ़ का रहने वाला है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन पिस्तौल और 12 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस आयुक्त डॉ राजश्री सिंह ने आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए कड़े दिशा निर्देश दिए हैं। डीसीपी मयंक मिश्रा ने भी खुफिया तंत्र को मजबूत बनाने और शहर वासियों से तालमेल बेहतर करने के निर्देश दिए थे। फलस्वरूप बहादुरगढ़ में एक बड़ी वारदात के होने से पहले ही तीन आरोपियों को पुलिस की दो अलग-अलग टीमों ने पकड़ लिया है। थाना शहर बहादुरगढ़ की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गौरव व कृष्णकांत निवासी बिलहरी उत्तर प्रदेश को रोहतक दिल्ली रोड पर स्थित एक होटल के नजदीक से पकड़ा। उनकी निशानदेही पर दो पिस्तौल और सात जिंदा कारतूस बरामद हुए। सीआईए वन बहादुरगढ़ की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रोहित निवासी लाइनपार को पकड़ा। उससे एक रिवाल्वर और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए। अभी तक की जांच में सामने आया है कि आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, जिसे समय रहते पुलिस ने टाल दिया। पकड़े गए तीनों आरोपियों को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा पुलिस द्वारा किया जाएगा।

## ब्रह्म सरोवर

कुरुक्षेत्र जिले के थानेसर में स्थित ब्रह्म सरोवर एक प्राचीन और पवित्र सरोवर है। यह सरोवर हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, भगवान ब्रह्मा ने इसी भूमि से ब्रह्मांड की रचना की थी। सूर्यग्रहण के अवसर पर यहां विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर लाखों लोग ब्रह्मसरोवर में स्नान करते हैं। कई एकड़ में फैला हुआ यह तीर्थ वर्तमान में बहुत सुन्दर एवं सुसज्जित बना दिया गया है।



# पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का तीर्थ है फल्गु

कुरूक्षेत्र के सात वनों में प्रसिद्ध फलकीवन में ही फल्गु तीर्थ सुशोभित है। हरियाणा प्रदेश के कैथल जिले के गांव फरल में स्थित यह तीर्थ स्थान कैथल से 25 किलोमीटर, कुरूक्षेत्र से 27 और पेहवा से 20 किलोमीटर ढाण्ड-पूण्डरी मार्ग पर लगभग दोनों के मध्य स्थित है। फल्गु तीर्थ के कारण ही गांव का नाम भी फरल पड़ा। इस तीर्थ का वर्णन महाभारत, वामन पुराण मत्स्य पुराण तथा नारद पुराण में उपलब्ध होता है।

धर्मस्थल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'



संसार के जिन स्थानों पर सबसे पहले मानव सभ्यता का विकास हुआ, उनमें कुरूक्षेत्र का नाम अग्रगण्य है। सरस्वती एवं दृषद्वती जैसी पवित्र नदियों की इस धरा पर वैदिक सभ्यता का उद्भव हुआ। भारतीय धर्म, दर्शन, कला, साहित्य आदि के विकास में प्रथम सृजन यहीं हुआ।

कृष्ण यजुर्वेद की मैत्रायणी शाखा में कुरूक्षेत्र का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद से प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्यों की प्रमुख जातियां भरत एवं पुरू भी इसी पावन धरा से जुड़ी रही हैं। जिनके सम्मिश्रण से कुरू नामक जाति का आविर्भाव हुआ। कुरूक्षेत्र यानि कुरूओं का क्षेत्र। इसलिए ही इसे कुरूक्षेत्र कहा गया है। वामन पुराण के अनुसार दृषद्वती नदी सरस्वती के साथ-साथ वही नदी है जिसने कुरूक्षेत्र धरा को गरिमा प्रदान की है। इस नदी का प्रवाह मार्ग कौल (कैथल) से होते हुए फल्कीवन (फरल) रहा है। हालांकि वर्तमान समय में दृषद्वती के बहने के मार्ग के अवशेष मात्र शेष हैं, जो फरल गांव के पूर्व दिशा में स्थित हैं। 48 कोस कुरू भूमि हरियाणा के कुरूक्षेत्र, कैथल, करनाल, जीन्द एवं पानीपत जिलों में फैली हुई है। महाभारतानुसार उत्तर-पूर्व में रंतुक यक्ष (बीड़ पीपली के पास) पश्चिम में अरंतुक यक्ष (कैथल में बेहर गांव के पास) दक्षिण-पश्चिम में रामह्रद यक्ष (जिला जीन्द में रामराय के पास) एवं दक्षिण पूर्व में मचक्रुक यक्ष (जिला पानीपत में शींख के पास) का स्पष्ट वर्णन मिलता है। इस प्रकार इन चार यक्षों द्वारा रक्षित इस आयताकार 48 कोस की भूमि में 360 तीर्थों की उपस्थिति मानी जाती है। कुरूक्षेत्र की पवित्र भूमि प्राचीन काल में घने वनों से आच्छादित थी। वामन पुराण में कुरूक्षेत्र भूमि में स्थित सात वनों का स्पष्ट नामोल्लेख मिलता है। जैसे - काम्यक वन, अदिति वन, व्यास वन, फलकीवन, सूर्यवन वन, मधुवन तथा शीतवन। वामन पुराण के अनुसार इन पुण्यशाली वनों के नाम का उच्चारण करते ही मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं-

*श्रृणु सप्त वनानीह कुरूक्षेत्रस्य मध्यतः।*
*येषां नामानि पुण्यानि सर्वपापहराणि च।*
*काम्यकं च वनं पुण्यं दितिवनं महत।*
*व्यासस्य च वनं पुण्यं फलकीवनमेव च ।*



श्री फल्क ऋषि मंदिर



फरल में स्थित फल्गु तीर्थ

कुरूक्षेत्र के सात वनों में प्रसिद्ध फलकीवन में ही फल्गु तीर्थ सुशोभित है। हरियाणा प्रदेश के कैथल जिले के गांव फरल में स्थित यह तीर्थ स्थान कैथल से 25 किलोमीटर, कुरूक्षेत्र से 27 और पेहवा से 20 किलोमीटर ढाण्ड-पूण्डरी मार्ग पर लगभग दोनों के मध्य स्थित है। फल्गु तीर्थ के कारण ही गांव का नाम भी फरल पड़ा। इस तीर्थ का वर्णन महाभारत, वामन पुराण मत्स्य पुराण तथा नारद पुराण में उपलब्ध होता है। महाभारत वन पर्व में तीर्थ यात्रा प्रसंग के अन्तर्गत इस तीर्थ के महत्व के विषय में स्पष्ट उल्लेख हैः

*ततो गच्छेत राजेन्द्र फलकीवनमुत्तमम्।*
*तत्र देवाः सदा राजन् फलकीवनमाश्रिताः।*
तपश्चरन्ति विपुल बहुवर्षसहस्त्रकम्।

अर्थात तत्पश्चात मनुष्य को देवों द्वारा देवताओं ने हजारों वर्षों तक कठोर तपस्या की। बिल्कुल ऐसा ही वामन पुराण में भी उपलब्ध होता है, जहां लिखा है कि तत्पश्चात देवता, गन्धर्व, साध्य एवं ऋषि लोगों को दिव्य निवास वाले उस फलकीवन में जाना चाहिए जहां देव, गन्धर्व, सिद्ध एवं ऋषि सदैव तपस्यारत रहते हैं।

महाभारत के अनुसार इस तीर्थ में स्नान करने एवं देवताओं का तर्पण करने से मनुष्य अग्निष्टोम तथा अतिरात्र यज्ञों के करने से कहीं अधिक श्रेष्ठतर फल को प्राप्त करता है। वामन पुराण में भी लिखा है कि इस तीर्थ में स्नान करने से तथा देवताओं का तर्पण करने से मनुष्य अग्निष्टोम तथा अतिरात्र यज्ञों से भी अधिक फल प्राप्त करता है। वामन पुराण के 36 में अध्याय के श्लोक संख्या 49 और 50 में वर्णित है-

*''सोमक्षये च सम्प्राप्ते सोमस्य च दिन।*
*यः श्राद्ध च मत्यस्तस्य फल पुष्पम्।।*
*गंगायां च यथा श्राद्ध पितृन्प्रीणति नित्यशः।*
*श्राद्ध च कर्तव्य फल्कीवनमाश्रितैः।।"*

अर्थात "अमावस्या (सोमक्षय) होने पर सोमवार के दिन जो मनुष्य श्राद्ध करता है, उसे बहुत अधिक पुण्य प्राप्त होता है। फल्कीवन में फल्गु तीर्थ पर किया गया श्राद्ध पितरों को वैसा ही तृप्त और सन्तुष्ट करता है जैसा कि गया जी में किया हुआ श्राद्ध नित्य ही पितृगण (पितरों) को प्रसन्न करता है। फलकीवन (कैथल) स्थित फल्गु तीर्थ के बारे बात करें तो सर्वप्रथम जिस बात का उल्लेख आवश्यक है वह 'श्री फल्गु ऋषि' का जिक्र है। आखिर उनके तप का ही प्रभाव है कि आज यह क्षेत्र प्रसिद्ध है। उनके नाम से ही यह वन फल्कीवन हुआ। ऋषिवर इस वन में तपस्या करते थे। पुराणानुसार एवं लोक किंवदंतियों में कहा जाता है कि उनके तपस्या काल में प्रसिद्ध गया जी तीर्थ बिहार पर गयासुर का राज्य था। गयासुर की यह प्रतिज्ञा थी कि जो उसे युद्ध में पराजित कर देगा उसके साथ वह अपनी तीनों पुत्रियों का विवाह करेगा। उस समय फल्गु तीर्थ यानी फलकी वन में फल्गु ऋषि तपस्या कर रहे थे। गयासुर से त्रस्त लोगों और देवताओं के अनुरोध से जब उन्हें गयासुर की प्रतिज्ञा का पता चला तो गृहस्थ आश्रम को सर्वश्रेष्ठ समझकर वहां गए और शास्त्रार्थ में गयासुर को पराजित करके उसकी तीनों कन्याओं के साथ विवाह कर लिया एवं गृहस्थी बने। दहेज में गयासुर ने गया जी में पितृतृप्ति हेतु किए जाने वाले कार्यों में मिलने वाले फल का वर भी दिया।

इस पावन तीर्थ पर फल्गु ऋषि के मन्दिर के अलावा भी कई सुन्दर मन्दिर हैं। यहां सरोवर के घाट के पास अष्टकोण आधार पर निर्मित 17वीं शताब्दी की मुगल शैली में बना शिव मन्दिर है जो लगभग 30 फुट ऊंचा है। यहां स्थित सरोवर की लम्बाई 800 फुट और चौड़ाई 300 फुट है। मुगल शैली में एक और शिव मन्दिर है जो लगभग 20 फुट ऊंचा है तथा आकार में वर्गाकार है। वर्ग की एक भुजा 9 फुट 6 इंच है। यहीं एक अन्य मन्दिर जो राधा-कृष्ण का भी है जो नागर शैली में बना हुआ है। इसका शिखर शंकु आकार का है। इन सभी उपरोक्त वर्णित मन्दिरों में निर्माण के दौरान लाखौरी ईंटों का इस्तेमाल किया गया है एवं परवर्ती काल में इनका जीर्णोद्धार आधुनिक ईंटों के द्वारा किया गया है। घाट के पास ही एक अत्यन्त प्राचीन वट वृक्ष है जिसे लोग श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। हाल ही में फल्गु तीर्थ के बीच एक नए मंदिर का निर्माण भी जन सामान्य ने सहयोग और आस्था से किया है। इसके अतिरिक्त फरल से ही कुछ तीर्थ और जुड़े हैं। जैसे गांव फरल से 2 किलोमीटर के सम्पर्क मार्ग द्वारा पणिश्वर तीर्थ पर पहुंचा जा सकता है। यह तीर्थ पवन पुत्र हनुमान से संबंधित है; जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट भी है। महाभारत में इस नाम से किसी तीर्थ का वर्णन प्राप्त नहीं होता, परन्तु महाभारत के अनुशासन पर्व के दसवें अध्याय में पाणिखात के नाम से एक तीर्थ उल्लेख है जिसके बारे में धारणा है कि वही पाणिखात पणिश्वर है। इस तीर्थ में स्नान करने के पुण्य के विषय में कहा गया है कि यहां स्नान करने से मनुष्य को एक हजार गाय दान करने के समान फल मिलता है। आगे कहा गया है कि जो मनुष्य पणिश्वर तीर्थ में पितृ-तर्पण करता है वह राजसूर्य यज्ञ के फल का उपयोग करता है। इस तीर्थ पर वर्तमान में हनुमान जी का भव्य मंदिर है जिसमें बजरंगबली की सुंदर प्रतिमा है। निःसंकोच कहा जा सकता है कि –

*'तीर्थ स्तरन्ति प्रवतो महीरीति, यज्ञकृतः सुकृतो येन यन्ति।'*

मनुष्य तीर्थों के सहारे बड़ी से बड़ी विपत्तियों से तर जाता है। बड़े से बड़े पाप तीर्थ सेवन से समाप्त हो जाते हैं और तीर्थ स्थान करने वाला महान यज्ञ करने वालों के रास्ते से ही स्वर्ग जाता है।

---

कविता

राजपाल सिंह गुलिया

### एक डीलर आग्या रै

एक डीलर आग्या रै, एक डीलर आग्या रै.
म्हारे घेर म्हँ साँझ नै, एक डीलर आग्या रै.
एक डीलर एक डीलर, एक डीलर आग्या रै.

बीच गली म्हँ एक गाड़ी नै, होरण तेज बजाया.
लाम्बी गाड़ी देख बारणै, बाबू भी हर्षाया.
न्यू बोल्या वो बाबू तैं मैं, ऑफर बढ़िया ल्याया.
उसने बाबू के कान म्हँ, कील्ले का रेट बताया
फेर भा सुण कै न बाबू कै, भी जी सा आग्या रै ...

न्यू बोल्या वो इस खेवट का, नम्बर खास नहीं सै.
रेट भतेरे बढ़ लिए ईब, आग्गै आस नहीं सै.
दवा बहम की चाचा चतरू, म्हारे पास नहीं सै
धोखे आलै काम क धोरै, गंगादास नहीं सै.
फेर हाथ होक्के पै धर कै, कती नेम ठाग्या रै...

भा सुणकै ना मेरा बाबू, फूल्या नहीं समाया.
एक बेच कै पाँच दिवा दूँ, न्यूँ भी वो बहकाया.
टोकन मनी दे कै उसने, ब्याना तुरत लिखाया
भांग कै भाड़ै धरती दे के, भोत घणा पिछताया
फेर म्हारी इस डील म्हँ वो, कई लाख कमाग्या रै...

खेत बेच कै सबके होग्ये, नख्शे हाई - फाई,
माणस गैल्या गाड़ी होग्यी, घर -घर वाई -फाई.
कह गुलिया इब बैरी होग्ये, खुद भाई के भाई,
आपस का रसूख देख ल्यो, होग्या हवा - हवाई
बाबू कहता फिरै घोल कै, वोह मन्नै प्याग्या रै ...

---

कविता

भूपसिंह 'भारती'

### घर-घर म्ह पेड़ लगाओ

पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।
रुदन सुणो ये रो रो कहरे, ना हमनै काट बगाओ।।

धरती का सिंगार करा हम, न्यारी म्हारी माया।
मीठे मीठे फल देवां हम, देवां सीली छाया।
हरा भरा हो घर भाया, जै घर में पौधे लाओ।
पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

बरखा नै हम लेकै आवां, कती करां ना टाला।
मरते-मरते इंधन देवा, सै म्हारा काम निराला।
घर-घर म्ह पेड़ लगाकै, प्रदूषण नै भगाओ।
पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

पीवण नै हम पाणी देते, अन्न देते खाणे को।
ऑक्सीजन पैदा करते, जीवन नै बचाणे को।
जै चाहो सो जीणा तो, म्हारी तादाद बढ़ाओ।
पर्यावरण बचाणा सै तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

इस दुनिया म्ह सुणलो लोगों, पेड़ ही सच्चे साथी।
हर हालत में साथ निभावै, बणकै देख हिमाती।
कह 'भारती' पौधगिरी की, मिलकै अलख जगाओ।
पर्यावरण बचाणा से तो, घर घर म्ह पेड़ लगाओ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

---

रोचक

**फरजाना उर्फ समरु ने करीब 50 वर्षों तक गुड़गांव क्षेत्र पर शासन किया, तब अंग्रेज भी उसकी सैन्य ताकत से खतरा अनुभव करने लगे थे**

# तवायफ से तख्तोताज तक पहुंची थी बेगम समरु

इतिहास

यशपाल गुलिया

बड़ोत कस्बे के समीप कुताना गांव में पैदा होने वाली लड़की फरजाना एक विख्यात शासक बनी थी। उसने लगभग 50 वर्षों तक गुड़गांव क्षेत्र पर शासन किया तथा झाड़सा के पास एक बड़ी छावनी भी बना ली थी। बता दें कि वर्ष 1760 के आसपास फरजाना की विधवा माता गरीबी से तंग आकर दिल्ली आ गई। तब फरजाना की उम्र 8-10 वर्ष थी और उसकी माता पहले दिल्ली में तवायफ रह चुकी थी, जिसको कुताना गांव का असद खां खरीद ले गया था।

दिल्ली पहुंचकर भी वह अपने पुराने पेशे वाले स्थान पर नहीं गई। क्योंकि वह फरजाना को किसी भी सूरत में अपने पुराने पेशे में नहीं डालना चाहती थी। इसलिए दिल्ली पहुंचकर वे दोनों जामा मस्जिद की सीढ़ियों पर ठहर कर भीख तक मांगने लग गई। 20-25 दिनों बाद ही बुखार से ग्रस्त होकर फरजाना की माता की मृत्यु हो गई। तब रोती बिलखती देखकर फरजाना को वहां से गुजरने वाली खानुम जान नामक तवायफ अपने साथ ले गई। जहां फरजाना की माता उसको नहीं ले जाना चाहती थी, भाग्य के करिश्मे से फरजाना वहीं चावड़ी बाजार पहुंच गई। कुछ ही वर्षों में फरजाना नाच गाने में दक्ष हो गई। तभी वर्ष 1765 में भरतपुर शासक जवाहर सिंह ने दिल्ली पर आक्रमण किया था। उसका सेनापति जनरल समरु था जो फरजाना को 5000 रुपये में खानुम जान से खरीद कर अपने साथ भरतपुर ले गया और फरजाना बेगम समरु बन गई तथा आगरा में रहने लग गई। फिर जनरल समरु ने भरतपुर की नौकरी छोड़कर दिल्ली शाही वजीर नजफ खां की नौकरी पकड़ ली। नजफ खां ने बेगम समरु को झज्जर तथा मेरठ के पास सरधना की दो जागीर प्रदान कर दी। वह मूल रूप से ऑस्ट्रीया का निवासी था जो भारत में रोजगार के लिए आया था। बेगम समरु और जनरल समरु का साथ 12-13 वर्षों तक ही रहा क्योंकि वर्ष 1778 में जनरल समरु की मृत्यु हो गई। तब दिल्ली बादशाह ने उसकी दोनों जागीरों को शासक बेगम समरु को प्रदान कर दिया। बेगम समरु ने कुशलतापूर्वक प्रशासनिक कार्यों को सम्भाला तथा झज्जर क्षेत्र पर तीन प्रशासक राय गोपीनाथ, चौधरी साहब सिंह व मजलिस राय को नियुक्त कर दिया और स्वयं सरधना में रहने लग गई। जहां उसने एक विशाल सेना गठित कर ली तथा यूरोपीय सेना अधिकारियों को नियुक्त कर लिया। उल्लेखनीय है कि झज्जर बादशाह अकबर के काल से ही एक शासकीय इकाई बना रहा था जिसके तहत चार परगने झज्जर खास, बेरी-दुबलधन, दादरी तोए और मान्डौठी आते थे। लेकिन बेगम झज्जर की हाकिम केवल सात वर्षों (1778 से 1785 तक) तक ही रही। उसके बाद बादशाह ने बेगम समरु को झाड़सा-बादशाहपुर की जागीर भी दे दी। इसके तहत साढराणा तक के गांव आते थे और गुड़गांव तब तक एक गांव मात्र था। फिर बेगम इतनी शक्तिशाली हो गई कि उसने झाड़सा के पास विशाल सैनिक छावनी ही गठित कर डाली। वर्ष 1803 से दिल्ली पर अंग्रेजों का अधिकार होने पर भी बेगम समरु की दोनों जागीर सरधना व झाड़सा (गुड़गांव) ऐसे ही बनी रही।





बेगम समरु का चित्र तथा उनके द्वारा सरधना में बनवाई गई चर्च जो आज भी विद्यमान है।

बेगम समरु जनवरी 1836 में निःसन्तान स्वर्ग सिधार गई। उसके बाद अंग्रेजों ने उसकी सभी छावनियों व क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया। बेगम के बनाए हुए विशाल चर्च व महल सरधना व दिल्ली में आज भी विराजमान हैं।

बेगम समरु इतनी शक्तिशाली सैन्य ताकत बन गई थी कि अंग्रेजों को उससे खतरा अनुभव होने लग गया था। इसके परिणाम स्वरूप उनको भी झाड़सा से दूर एक नई छावनी बनानी पड़ी जिसको हिदायतपुर छावनी कहा जाता था। इस तरह उस ऐतिहासिक हस्ती बेगम समरु ने वर्ष 1836 तक शासन किया तथा जनवरी 1836 में वह निःसन्तान स्वर्ग सिधार गई। अंग्रेजों ने उसकी सभी छावनियों व क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया। बेगम के बनाए हुए विशाल चर्च व महल सरधना व दिल्ली में आज भी विराजमान हैं।

---

# समाज को संस्कृति से जोड़ने में कला का अहम योगदान : रवि मोहन

कलाकार

ओ.पी. पाल

हरियाणा की समृद्ध लोक कला एवं संस्कृति की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में विभिन्न विधाओं में कलाकारों की अहम भूमिका है। ऐसे ही कलाकारों में रंगमंच के अभिनेता रवि मोहन भी शामिल है, जिन्होंने बॉलीवुड तक का सफर तय करने के बावजूद अपनी संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए समाज को सकारात्मक संदेश देने के मकसद से अपनी कला को बुलंदियों तक पहुंचाया है। साहित्यिक नाटकों, कहानियों के मंचन और सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर अपनी कला के संसार को दिशा देने का प्रयास किया है। अभिनेता, थिएटर निर्देशक और रंगकर्मी रवि मोहन ने अपनी कला के सफर को लेकर कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिससे समाज को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने में कला महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

हरियाणा के लोक कलाकार रवि मोहन का जन्म 11 मई 1975 को रास बिहारी और अनीता भारद्वाज के घर में हुआ। उनके परिवार में किसी प्रकार का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल तो नहीं था, लेकिन उनके पिता कभी अपनी शादी से पहले कैथल में रामलीला में किरदार करते थे। उनका परिवार 46 साल पहले सफीदों आ गया था। बकौल रवि मोहन, उनकी शिक्षा सरकारी स्कूल से हुई और कॉलेज पास आउट करने के बाद उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आधुनिक इतिहास में एमए की। उसके बाद एमफिल भी की। कला के क्षेत्र में अपनी अभिरुचि के बारे में रवि मोहन ने बताया कि स्कूली शिक्षा के दौरान उन्हें कभी-कभी मंच पर ग्रुप सॉन्ग और छोटे-छोटे अभिनय करने का सौभाग्य मिला। कॉलेज के दौरान उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मौका मिला और उनकी कला से उन्हें सम्मान मिला, क्योंकि वह कॉलेज में भी एनसीसी की क्विज कांटेस्ट, गेम सॉन्ग, फैंसी ड्रेस, नाटक, नृत्य और गाना-बजाना जैसी गतिविधि में बढ़चढ़कर हिस्सा लेते रहे। विश्वविद्यालय में वे सांस्कृतिक गतिविधियों में लोक नृत्य और नाटकों में भागीदारी करते रहे। संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली और नेशनल स्कूल आफ ड्रामा फैकल्टी के विशेषज्ञों के सानिध्य में उन्होंने साल 2002 और 2003 में रंगमंच की कार्यशालाओं से प्रशिक्षण लिया और दो माह के अल्पकाल में रंगमच की बारीकियों को जाना। इससे वह रंगमंच की तरफ आकर्षित होकर रंगकर्मी के रूप में अपनी कला को आगे बढ़ाने लगे। करीब 28 वर्षों से रंगमंच से जुड़कर करीब 50 नाटकों का निर्देशन किया है, जबकि 15 नाटकों में अभिनय करने के अलावा कुछ वेब सीरीज और टीवी सीरियल्स में भी किरदार किया। उन्हें हरियाणा की तरफ से राष्ट्रीय नाट्य प्रतियोगिता में बतौर निर्देशक के रूप में भी काम करने का मौका मिला। उन्होंने 2003 में राज कला मंच नामक खुद की एक नाटक एनजीओ का पंजीकरण कराया और इस मंच से अब तक 14 राष्ट्रीय नाटक उत्सव चैनल थिएटर के नाम से आयोजित किए हैं। साल 2007 से 2010 के दौरान कुछ समय वे मुंबई भी रहे।

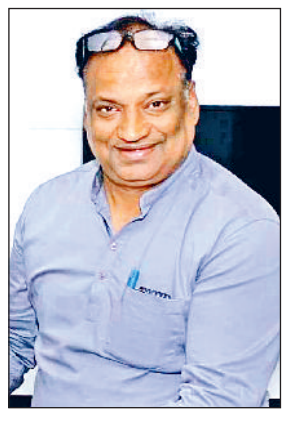





### पुरस्कार एवं सम्मान

अभिनेता एवं कलाकार रवि मोहन को वर्ष 2000 में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ लोक नर्तक एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। वहीं इसी वर्ष के दौरान उन्हें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय कलर से सम्मानित किया गया। जबकि वर्ष 2007 में राष्ट्रीय स्तर पर निर्देशन के लिए स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें हरियाणा में रंगमंच प्रोत्साहन के लिए राज्यपाल पुरस्कार, रंगमंच और सांस्कृतिक गतिविधियों में अनुकरणीय समर्पण के लिए रोटरी वोकेशनल पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार जैसे सैकड़ो पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

### अभिनय से संजोया हरियाणा

अभिनेता एवं रंगकर्मी रवि मोहन ने नेशनल चैनल डीडी-1 पर एक और कहानी, डीडी-हिसार के लिए सबरंग, सोनी टीवी पर क्राइम पेट्रोल एवं जिंदगी के क्रॉस रोड के अलावा एमएक्स प्लेयर पर कैंपस डायरी, स्टेज ऐप पर मेरे यार की शादी है और ब्रॉडलाइन एरोप्लान (फेदर फिल्म) में विभिन्न किरदार निभाए हैं। उन्होंने दूसरा आदमी दूसरी औरत और एक शाम कहानियों के नाम, धीमा जहर, हरियाणा के क्रांतिवीर, मैकबेथ, नागमंडल, मारिया फरार, रेजांग-ला द लास्ट वार, अंधा युग, मैं कहानी हूं, कनुप्रिया, छाया के बिना आदमी के अलावा भारत के विभिन्न राज्यों में विभिन्न राष्ट्रीय रंगमंच समारोहों में अपनी कला से अहम योगदान दिया। इसके अलावा उन्होंने हरियाणा के जिलों के शिक्षण संस्थानों और विभिन्न ड्रामा स्कूलों में अभिनय और डिजाइनिंग के लिए विजिटिंग फैकल्टी के लिए भी अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

**खबर संक्षेप**

## पूर्व सीएम के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आज



**झज्जर।** सोमवार को शहर के डाईवर्सन मार्ग पर किसान सदन के नजदीक पूर्व सीएम एवं केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष अत्तर सिंह यादव ने बताया कि शिविर में राज्यसभा सांसद किरण चौधरी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए रक्तदाताओं का उत्साहवर्द्धन करेंगी।

**झज्जर।** स्वच्छता अभियान के दौरान साफ-सफाई करते हुए सेक्टर निवासियों। फोटो : हरिभूमि

## सेक्टर छह निवासियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

**झज्जर।** रविवार को ग्रीन व क्लीन सेक्टर छह ईको क्लब के तत्वावधान में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें एचएसवीपी बहादुरगढ़ एसडीओ कृष्ण मलिक ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए उत्साहवर्द्धन किया। आरडब्ल्यूए प्रधान अरूण नांदल ने बताया कि स्वच्छता अभियान के उपरांत सेक्टर निवासियों ने एसडीओ के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा। जिनका जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान सीनियर सिटीजन क्लब के प्रधान रणवीर गुलिया, सचिव नरेश शर्मा, नीरज, योगेश सिलानी, डॉक्टर पुष्पेंद्र कादियान, राजेश, दीपक जांगड़ा, नवीन यादव, आशीष, कर्मवीर, राजेश, विनोद, राजू, ओमपाल, संदीप, वीरेंद्र कमांडो, सतीश, राजबीर, जगबीर, देवेंद्र, जगपाल, कुलदीप, रोहतास सहित अन्य भी मौजूद रहे।

# श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण का मौका हाथ से नहीं जाने दें : पंडित कृपाशंकर

## कलश यात्रा के साथ छोटूराम नगर में कथा शुरू, जगह-जगह यात्रा का स्वागत

- कलश यात्रा कॉलोनी के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई कार्यक्रम स्थल पर पहुंची
- पार्षद राजकुमारी हरिमोहन धाकरे द्वारा करवाई जा रही श्रीमद् भागवत कथा



**बहादुरगढ़।** कलश यात्रा में शामिल पार्षद राजकुमारी व हरिमोहन धाकरे। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के छोटूराम नगर में रविवार को कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा का आयोजन पार्षद राजकुमारी व पूर्व पार्षद हरिमोहन धाकरे द्वारा किया जा रहा है।

आरती के साथ शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा में वृंदावान से आए पंडित कृपाशंकर जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को सर्वप्रथम इसकी महिमा से अवगत कराया। रविवार को छोटूराम नगर में बैंडबाजों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा कॉलोनी के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा में पार्षद राजकुमारी व पूर्व पार्षद हरिमोहन धाकरे की अगुवाई में बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु शामिल रहीं। कलश को भर कर लाने के बाद कथा आयोजन स्थल पर धार्मिक विधि एवं मंत्रोच्चरण के साथ स्थापित किया गया।

पंडित कृपाशंकर जी महाराज ने बताया कि विश्व में सभी कथाओं में ये श्रेष्ठ मानी गई है। जिस स्थान पर इस कथा का आयोजन होता है, वो तीर्थ स्थल कहलाता है। इसका सुनने एवं आयोजन कराने का सौभाग्य भी प्रभु प्रेमियों को ही मिलता है। ऐसे में अगर कोई दूसरा अन्य भी इसे गलती से भी श्रवण कर लेता है, तो भी वो कई पापों से मुक्ति पा लेता है। इसलिए सात दिन तक चलने वाली इस पवित्र कथा को श्रवण करके अपने जीवन को सुधारने का मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

### भगवान श्री कृष्ण के मुख की वाणी है कथा

ये कथा भगवान श्री कृष्ण के मुख की वाणी है। जिसमें उनके अवतार से लेकर कंस वध का प्रसंग का उल्लेख होने के साथ ही इसकी व्यक्ति के जीवन में महत्ता के बारे में भी बताया गया है। इसके सुनने के प्रभाव से मनुष्य बुराई त्याग कर धर्म के रास्ते पर चलने के साथ साथ मोक्ष को प्राप्त करता है।

# शोभायात्रा निकालकर मनाया भगवान परशुराम जयंती महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेरी

**बेरी।** शोभायात्रा के दौरान भगवान परशुराम का स्वरूप धारण किए हुए युवा।

रविवार को कस्बा बेरी में भगवान परशुराम जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जयंती महोत्सव से पहले बेरी बाजार में स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में सुबह हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 17 ब्रहामण सभा के प्रधान हेमचंद कौशिक ने मुख्यातिथि के रूप में हवन में आहुति डाली और ब्राहमणों से एकजुट होने का आह्वान किया।

### सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

इसके बाद भगवान परशुराम की झांकी निकाली गई। यह शोभा यात्रा गाजे-बाजे के साथ बेरी ब्रहामण धर्मशाला से शुरू होकर देवी मंदिर वाली गली, बालाजी मंदिर, बस स्टैड़, शिव चौक तथा मेन बाजार से होते हुए वापिस ब्रहामण धर्मशाला परिसर में आकर संपन्न हुई। भगवान परशुराम जयंती शोभायात्रा में परशुराम का स्वरूप अमित कौशिक ने धारण किया। झांकी निकालने के बाद ब्राह्मण धर्मशाला में भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर एसएन कौशिक, बेरी ब्रहामण धर्मशाला के प्रधान सुभाष शर्मा, डॉक्टर मुकेश, संजीव कौशिक, जयभगवान शर्मा उर्फ लाला, नरेंद्र कौशिक, अनूप शर्मा, राजेंद्र शर्मा, बिट्टू, संजय, कुलदीप वाशिष्ठ, राजू, यादराम, सरपंच भगवत दयाल शर्मा, रामप्रकाश शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

## सतगुरु के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान

**झज्जर।** सांपला रोड स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में रविवार को सत्संग का आयोजन किया गया। जिला संयोजक रोशनलाल निरंकारी ने बताया कि सत्संग के दौरान मुख्य रूप से मौजूद डॉक्टर कमल सिंह ने निरंकारी मिशन के पवित्र धर्म ग्रन्थ संपूर्ण हरदेव वाणी के शब्द नंबर 51 की व्यख्या करते हुए फरमाया कि आज संसार में हर तरफ वैर, नफरत, ईर्ष्या, द्वेष की आग फैली हुई है। इसे केवल सतगुरु के ज्ञान से ही शांत किया जा सकता है। सतगुरु के बताए गए रास्ते पर चलकर इस एक निराकार परमात्मा के साथ जुड़कर ही हम संसार मे एकत्व, भाईचारा एवं शांति स्थापित कर सकते हैं।

## वुशू में खिलाड़ियों ने किया बेहतरीन प्रदर्शन, जीता सोना

**रोहतक।** हरियाणा राज्य वुशू (सब जूनियर, जूनियर सीनियर) दो दिवसीय चैंपियनशिप 2025 महिला पुरुष का आयोजन सैनी धर्मशाला में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ अधिवक्ता देवेन्द्र सैनी उपाध्यक्ष सैनी शिक्षण संस्था द्वारा खिलाड़ओि का हाथ मिलवा कर किया गया। इस अवसर पर बीर सिंह आर्य महासचिव हरियाणा जम्प रोप संघ, आशा लता पार्षद नगर निगम विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे।

हरियाणा एमेच्योर वुशू संघ के महासचिव राजकुमार सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता मे हरियाणा के झज्जर, पानीपत, गुरुग्राम, पलवल, मेवात, फरीदाबाद, रोहतक, करनाल सहित पंद्रह जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। परितोषक वितरण समारोह में समाजसेवी राकेश सैनी मौजूद रहे। जिन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सोमबीर वशिष्ट भिवानी, विजय, गौरव रोहतक, निर्वेश पानीपत, प्रभा सिंह गुरुग्राम, सुन्दर पलवल, प्रियंका झज्जर आदि उपस्थित रहे।

**बहादुरगढ़।** नाला निर्माण का शुभारंभ करते दिनेश कौशिक व अन्य। फोटो : हरिभूमि

# कौशिक ने किया शुभारंभ जसबीर सैनी ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- सैनीपुरा में 82 लाख रुपए की लागत से बनने वाले जलनिकासी नाले का मामला

भाजपा के विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक ने रविवार को सैनीपुरा में 82 लाख रुपए की लागत से बनने वाले नाले निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा भी मौजूद रहे। हालांकि पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने इसे हास्यास्पद बताते हुए कहा कि नाले कर निर्माण एक साल पहले शुरू हो चुका। यह काम बीच में रुक गया था, अब सीएम के आदेश पर जल्द दोबारा शुरू होगा।

दिनेश कौशिक ने नाला निर्माण का शुभारंभ करते हुए, मौके पर मौजूद दीपक ठेकेदार को पूरी गुणवत्ता व टेंडर के तय मानकों के अनुसार निर्माण करने की हिदायत दी। स्थानीय निवासियों ने नाला निर्माण के लिए दिनेश कौशिक का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश विकास की राह पर अग्रसर है। लोगों की समस्याओं का तत्परता से समाधान हो रहा है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी, अमित कौशिक, पार्षद पति राजेश सैनी, अशोक शर्मा, अश्वनी शर्मा, अनिल सिंघल, मंडल अध्यक्ष संजय सैनी, आशु सैनी, कपिल शर्मा, अमित कौशिक, बल्लू प्रधान, रणजीत दहिया, रामकंवार सैनी, विनोद कौशिक व राजू जून आदि मौजूद रहे।

सैनीपुरा नाले का रुका हुआ कार्य मुख्यमंत्री के आदेशानुसार फिर से जल्द शुरू किया जायेगा। ग्रीवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी ने सैनीपुरा नाले का फिर से शुभारंभ करने को राजनीतिक ड्रामा करार दिया है। उनके अनुसार नाले का शुभारंभ सालभर पहले हो गया था। लगभग आधा काम पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि किसी कारणवश नाले का काम रुका हुआ था। मुख्यमंत्री के आदेशानुसार इस नाले का निर्माण फिर शुरू करवाया जा रहा है। लेकिन झूठा श्रेय लेने के लिए आज शुभारंभ का ड्रामा किया गया। उन्होंने पुराने कार्यों पर राजनीति करने की बजाय नए काम करवाने की नसीहत भी दी।

# आदित्य और अभिलाष का किया अभिनंदन

## पवन वर्मा ने किया कार्यक्रम का आयोजन, ओमप्रकाश धनखड़ ने किया सम्मानित

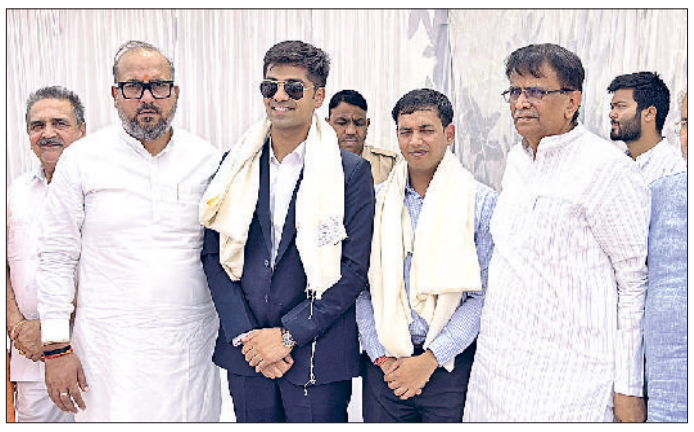

**बहादुरगढ़।** आदित्य और अभिलाष को सम्मानित करते ओमप्रकाश धनखड़ और रविवार को हुए अभिनंदन समारोह में उपस्थित लोग। फोटो : हरिभूमि



हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

यूपीएससी की परीक्षा में 9वां रैंक हासिल करने वाले सेक्टर-2 निवासी आदित्य विक्रम अग्रवाल और 129वीं रैंक हासिल करने वाले बराही रोड निवासी अभिलाष सुंदरम का रविवार को बहादुरगढ़ में नागरिक अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ समेत अन्य अतिथियों ने दोनों को बधाई देते हुए उन्हें युवाओं का प्रेरणास्त्रोत बताया। बता दें कि आदित्य विक्रम अग्रवाल ने एनआईटी इलाहाबाद से बीटैक करने के बाद टाटा मोटर्स में एक साल नौकरी भी की थी। फिर नौकरी छोड़कर 5वें प्रयास में यूपीएससी में 9वां रैंक प्राप्त किया। कार्यक्रम में आयोजकों व अतिथियों ने आदित्य के साथ उसकी मां मधु अग्रवाल और पिता रामअवतार का भी अभिनंदन किया। त्रिवेणी स्कूल के संचालक एस श्याम और संगीता वर्मा के बेटे अभिलाष सुंदरम ने पिछली दफा यूपीएससी में 421वां रैंक हासिल किया था। जिसके आधार पर उसका चयन इंडियन ट्रेड सर्विस में हुआ था। लेकिन इस बार अभिलाष ने 129वां रैंक हासिल किया और अब आईपीएस के रूप में देश की सेवा करेगा। कार्यक्रम में अभिलाष के साथ उसकी मां संगीता वर्मा, पिता एस श्याम, बहन वसुंधरा और अनुष्का भी खुश नजर आईं।

कार्यक्रम का आयोजन स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा द्वारा किया गया। मंच संचालन राज सिंह वर्मा ने किया। इस मौके पर बहादुरगढ़ स्वर्णकार संघ के प्रधान दीपक वर्मा, जयभगवान सोनी, भाजपा नेता दिनेश कौशिक, राजपाल जांगड़ा, शीला नफे सिंह राठी, संजय कबलाना, पूर्व चेयरमैन रवि खत्री, कर्मबीर राठी, रविंद्र राठी, सुदेश राठी, नरेंद्र छिकारा, श्रीनिवास गुप्ता, दिनेश शेखावत, कृष्ण पहलवान, पार्षद बलराम दलाल, बिजेंद्र दलाल, पूर्व पार्षद संदीप, अमोद छिल्लर और अनिल शाहपुर आदि मौजूद रहे।

## बेटियां देश का भविष्य : डॉ. गुरुदत शर्मा

**रोहतक।** उप स्वास्थ्य केंद्र लाढ़ौत के अंतर्गत सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कैंप का आयोजन प्रवीन सैनी एमपीएचडब्ल्यू लाढ़ौत सब सेंटर ने किया। मंच संचालन ब्लाक एजुकेटर अंजू ने किया। डॉक्टर गुरूदत शर्मा ने ग्रामीण महिलाओं व पुरुषों को लिंग अनुपात सुधारने के लिए व कन्या भ्रूण हत्या को रोकने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बेटियां देश का भविष्य हैं, आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले के समय में बेटियों को घृणा की दृष्टि से देखा जाता था और बेटों को उच्चतम स्तर पर रखा जाता था। गर्भ में ही बेटियों को मरवा दिया जाता था परंतु सरकार के कड़े फैसले से बेटियों के जन्म में सुधार हुआ है, जिसका परिणाम है कि आज बेटियों की संख्या में बहुत इजाफा हुआ है। कार्यक्रम के अर्न्तगत नन्हीं बेटी का केक काटकर जन्मदिन मनाया।

## श्याम दीवाने मित्र मंडल ने महोत्सव का आयोजन करवाया

# क्यों घबराऊं मैं मेरा श्याम से नाता...से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

**झज्जर।** कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता मनीष बंसल को तिलक लगाते हुए पुजारी। फोटो : हरिभूमि

श्याम दीवाने मित्र मंडल की ओर से चतुर्थ श्री श्याम महोत्सव का आयोजन परसा वाली चक्की मनभरी देवी ट्रस्ट में किया गया। भजन संध्या में निज श्रीश्याम मंदिर सेवक परिवार सालासर धाम के पुजारी रोहित एवं चुलकाना धाम के पुजारी रिकल के पावन सानिध्य में गायक कलाकारों ने बाबा की महिमा का गुणगान किया। इसमें श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

श्री खाटू श्याम बाबा का श्रृंगार किया गया। भजन संध्या में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। पंडित विनय कुमार ने मंत्रोच्चारण से मंडल के सदस्यों द्वारा विधिवत पूजन किया। राजेश गोयल ने गजानन सरकार पधारों कीर्तन की तैयारी है..गणेश वंदना और भजन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

संकीर्तन में बाबा का गुणगान करते हुए भजन गायक शुभम ठाकरान ने श्याम बाबा की जय, खाटू वाले की जय, बोलों बोलों प्रेमियों श्याम बाबा की जय.. नम्रता करवा ने कोई प्यार से मेरे श्याम को सजा ले, गजब हो जाएगा.. कीर्तन की है रात, बाबा आज थाने आणो है.. परविंदर पलक ने पकड़ लो हाथ बनवारी, नही तो डूब जाएंगे, हमारा कुछ ना बिगड़ेगा, तुम्हारी लाज जाएगी.. साहिल शर्मा ने मेरी ये जीवन गाड़ी, श्याम चलाता है,क्यों घबराऊं मैं मेरा तो श्याम से नाता है.. भजनों पर श्याम भक्तों को नाचने पर मजबूर कर दिया।

**सार्वजनिक सूचना**

**न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली**

केस नं० 221/T तिथि दायरा 09.11.2022 तिथि पेशी 21-05-2025 मौजा बादली तह० बादली जिला झज्जर

मॉडल इकोनोमिक टाऊनशिप लिमिटेड हाल आबाद प्लॉट नं0 77-बी, तृतीय तल, सैक्टर-18, इफको मार्ग, गुरूग्राम-122015 (हरियाणा)। मार्फत अधिकृत प्रतिनिधि रविन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री धूपसिंह।

...प्रार्थी

बनाम

1. जिलेसिंह पुत्र बिशम्बर पुत्र हरकिशन 2. अमित 3. सुमित पुत्रान राजू पुत्र प्रमा उर्फ परमानन्द 4. गौरव 5. सौरव पुत्रान रमेश पुत्र प्रमा उर्फ परमानन्द 6. श्रीमती भगवानी 7. सुशीला पुत्रीयान व 8. ओमप्रकाश पुत्र बलबीर पुत्र बिशम्बर 9. ब्रहमी विधवा मातू पुत्र बिशम्बर 10. श्रीमती किताबो पत्नी व 11. अशोक कुमार 12. संजय कुमार 13. वीरपाल पुत्रान जगबीर पुत्र भीमसिंह 14. भरतसिंह उर्फ भरत पुत्र लखीराम पुत्र खुशी राम 15. सुनीता पत्नी भगवान सिंह पुत्र ज्ञानसिंह।

उपरोक्त सभी निवासीगण गांव बादली, तहसील बादली, जिला झज्जर।

.. उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं0 3330 मिन / 3046 मिन, मौजा बादली,

जमाबंदी साल 2018-2019, तह० बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मॉडल इकोनोमिक टाऊनशिप लिमिटेड गुरूग्राम बनाम जिलेसिंह आदि निवासीगण गांव बादली, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा बादली दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 21-05-2025 को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब / उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होंवे अन्यथा आपके विरूध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाऐगी। यह समन / विज्ञापन आज दिनांक 24.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

**हस्ता/-सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी, बादली**

**सार्वजनिक सूचना**

**न्यायालय सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, बादली**

केस नं० 341/T तिथि दायरा 19.04.2024 तिथि पेशी 21-05-2025 मौजा दरियापुर तह० बादली जिला झज्जर

मॉडल इकोनोमिक टाऊनशिप लिमिटेड हाल आबाद प्लॉट नं0 77-बी, तृतीय तल, सैक्टर-18, इफको मार्ग, गुरूग्राम-122015 (हरियाणा)। मार्फत अधिकृत प्रतिनिधि रविन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री धूपसिंह।

....प्रार्थी

बनाम

1. वीना पुत्री व 2. विजय पुत्र रामप्यारी पुत्र सुलतान 3. सोनी 4. ज्योती 5. आशु 6. रीना 7. रेनू पुत्रीयान धनपती पुत्र सुलतान 8. ईमृती पुत्री व 9. महेन्द्रसिंह पुत्र सुलतान पुत्र नेतराम 10. फुलकवार पुत्र सुलतान पुत्र रामचन्दर 11. दीपक पुत्र व 12. खुशी पुत्री व 13. सन्तोष विधवा रामफुल पुत्र सुलतान 14. राकेश पुत्र व 15. मनोज 16. मुनीषा 17. नीलम 18. सरोज पुत्रीयान व 19. कमला विधवा रामेश्वर पुत्र सुलतान 20. रामकिशन 21. रामकुवार 22. रामपाल पुत्रान रामेहर पुत्र हरीराम 23. मोहित 24. दीपक पुत्रान सतबीर पुत्र रामेहर 25. राज पुत्री व 26. राजेश कुमार 27. कपुर सिंह 28. रणबीर सिंह 29. श्रीओम पुत्रान सन्तराम पुत्र जवाहरा 30. रिंकू गुलिया पुत्र कपूर सिंह पुत्र सन्ते 31. हिमांशी पुत्री सुरेन्द्र पुत्र ईशवन्ती 32. रामकुवार 33. सुभाषचन्द पुत्रान छोटू पुत्र नेको 34. रमेश 35. कुलदीप सिंह पुत्रान आजाद सिंह पुत्र छोटू।

निवासीगण गांव दरियापुर, तहसील बादली, जिला झज्जर।

......उत्तरवादीगण

दरखास्त तकसीम बाबत भूमि खेवट नं0 337/246-356, मौजा दरियापुर,

जमाबंदी साल 2022-2023 तह० बादली व जिला झज्जर।

सर्व साधारण को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मॉडल इकोनोमिक टाऊनशिप लिमिटेड गुरूग्राम बनाम वीना आदि निवासीगण गांव दरियापुर, तहसील बादली, जिला झज्जर आधीन राजस्व अधिनियम मौजा दरियापुर दरखास्त तकसीम बाबत भूमि के लिए इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस विज्ञापन प्रकाशन के माध्यम से उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान की तलबी की जाती है और उत्तरवादीगण व उनके कानूनी वारसान को हिदायत दी जाती है कि वह निश्चित तिथि 21-05-2025 को निम्न हस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब / उजर के लिए असालतन / वकालतान पेश होंवे अन्यथा आपके विरूध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। यह समन / विज्ञापन आज दिनांक 24.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर लगाकर जारी किया गया है।

**हस्ता/-सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी, बादली**

## खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। खिलाड़ियों का हाथ मिलाकर चैंपियनशिप का शुभारंभ करते सचिन जून। फोटो : हरिभूमि

### जून ने किया विजेताओं को सम्मानित

**बहादुरगढ़।** विधायक राजेश जून के पुत्र सचिन जून ने खिलाड़ियों का हाथ मिलाकर दूसरी झज्जर डिस्टिक मुएथाई चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया।
एसोसिएशन के जिला महासचिव सन्नी सहरावत ने सचिन राजेश जून का स्वागत करने के साथ ही स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। जून ने कहा कि शिक्षा के साथ ही बच्चों को खेलों में भी बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। आज खेलों के क्षेत्र में रोजगार के सुनहरे अवसर उपलब्ध हैं।

### जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

**झज्जर।** डीसी प्रदीप दहिया ने कहा कि सोमवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा।
जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होगा, जबकि उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़, बादली और बेरी में भी सुबह दस से बारह बजे तक दो घंटे समाधान शिविर लगाए जाएंगे।

### बैंक के बाहर से बाइक चोरी

**बहादुरगढ़।** शहर के दिल्ली रोहतक रोड पर स्थित बैंक के बाहर से एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। जानकारी के अनुसार दिल्ली की गीता कॉलोनी निवासी रजत अकाउंट्स का काम करता है और अपने भाई करण की बाइक लेकर बहादुरगढ़ के आईसीआईसीआई बैंक में आया था। कुछ समय बाद जब वह बैंक से बाहर आया तो उसे अपनी बाइक नही मिली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 305 के तहत केस दर्ज किया है।

### आश्रम एक्सप्रेस में महिला का बैग चोरी

**रेवाड़ी।** आश्रम एक्सप्रेस से दिल्ली जा रही एक महिला डॉक्टर का बैग चोरी हो गया। जीआरपी दिल्ली को दर्ज शिकायत में गुजरात की रहने वाली डा. गंगा आर हदीमनी ने बताया कि वह अपने पति राजेश के साथ आश्रम एक्सप्रेस में साबरमति से दिल्ली जा रही थी। रेवाड़ी स्टेशन के आसपास उसका बैग चोरी हो गया। बैग में 3500 रुपये, आई-फोन व उसके आवश्यक दस्तावेज थे। ट्रेस करने पर मोबाइल की लोकेशन रेवाड़ी के आसपास पाई गई। जीआरपी ने दिल्ली से मिली जीरो एफआईआर के आधार पर केस दर्ज किया है।

# 10वीं-12वीं के रिजल्ट का इंतजार, सीयूईटी के लिए हो रहे तैयार

- सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम मई के दूसरे सप्ताह में आने की संभावना
- 12वीं के छात्र 8 मई से शुरू होने वाले कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट की तैयारी में जुटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सीबीएसई बोर्ड 10वीं और 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए विद्यार्थी बेसब्री से अपने रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। ऐसी उम्मीद है कि बोर्ड की तरफ से मई के दूसरे सप्ताह में रिजल्ट जारी किया जा सकता है। सीबीएसई द्वारा रिजल्ट को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। दरअसल, झज्जर जिले में 23 परीक्षा केंद्रों पर दसवीं के साढ़े 6 हजार विद्यार्थियों और 12वीं के 6 हजार छात्रों ने परीक्षा दी थी। वहीं 12वीं के छात्र देश के टॉप कॉलेजों में एडमिशन के लिए होने वाली परीक्षा की तैयारी में जोर-शोर से जुटे हैं।
बता दें कि 10वीं की परीक्षा का आयोजन 15 फरवरी से 18 मार्च तक हुआ था। जबकि 12वीं की परीक्षा 5 फरवरी से 4 अप्रैल तक चली थी। दसवीं की परीक्षा समाप्त हुए डेढ़ महीने से अधिक समय बीत चुका है। जबकि 12वीं की परीक्षा समाप्त हुए भी एक महीने से अधिक टाइम हो चुका है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार 10वीं और 12वीं परीक्षा की कॉपियां चैक हो चुकी हैं। मार्क्स फीडिंग की प्रक्रिया चल रही है। रिजल्ट जारी करने की तैयारी अपने अंतिम चरण में है। सीबीएसई का रिजल्ट मई के दूसरे सप्ताह में जारी होने की संभावना है। सीबीएसई ने साल 2024 में 13 मई को रिजल्ट घोषित किए थे, जबकि 2023 में 12 मई के दिन परिणाम का इंतजार खत्म हुआ था परीक्षा परिणाम सीबीएसई की वेबसाइट के साथ ही डिजीलॉकर और उमंग एप पर उपलब्ध होगा। वहीं दूसरी ओर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तरफ से कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट 2025 के आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। यह परीक्षा 8 मई से हो रही है, जो एक जून तक चलेगी। देशभर में एनटीए यह परीक्षा दो पारियों में आयोजित करेगी। परीक्षा की तारीख नजदीक आने के साथ ही छात्रों ने तैयारी भी तेज कर दी है।

### दिल्ली विवि के कॉलेज में एडमिशन का लक्ष्य

रक्षित काजला

12वीं की परीक्षा दे चुके रक्षित काजला के अनुसार परिणाम को लेकर विद्यार्थियों में खासी उत्सुकता बनी हुई है। उन्होंने खूब मेहनत से पढ़ाई कर परीक्षा दी है। परिणामों के इंतजार में वे अपने सहपाठियों के साथ विविध कयास भी लगा रहे हैं। हालांकि सकारात्मक सोच के साथ अब सीयूईटी की तैयारियों में जुटे हुए हैं। उनका अगला लक्ष्य दिल्ली विश्वविद्यालय के बेहतरीन कॉलेज में एडमिशन लेने का है। रक्षित ने बताया कि परिणाम चाहे जो आए, वे उसे स्वीकार करेंगे और जीवन पथ में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने आशा जताई कि निरंतर अध्ययन करने के परिणामस्वरूप उन्हें अच्छे परिणाम जरूर मिलेंगे।

### परीक्षा में तीन सेक्शन होंगे

डॉ. मुक्ता

प्रिंसिपल डॉ. मुक्ता के अनुसार सीयूईटी यूजी 2025 परीक्षा का आयोजन कंप्यूटर बेस्ड मोड के माध्यम से किया जाएगा। सीयूईटी यूजी परीक्षा में तीन सेक्शन होंगे। सेक्शन 1 में लैग होगी। सेक्शन 2 में डोमेन विशेष विषय होंगे। सेक्शन 3 में जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट होगा। परीक्षा में हर एक टेस्ट पेपर में उम्मीदवारों से 50 प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सभी प्रश्न एमसीक्यू होंगे। सभी प्रश्न करने अनिवार्य होंगे। हर पेपर के लिए उम्मीदवारों को 60 मिनट का समय मिलेगा। प्रत्येक सही उत्तर के लिए उम्मीदवारों को 5 अंक दिए जाएंगे। वहीं गलत उत्तर देने पर 1 अंक नेगेटिव मार्किंग के रूप में काट लिया जाएगा। अगर उम्मीदवार ने किसी प्रश्न का उत्तर नहीं मार्क किया है, तो उसके लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। हर एक टेस्ट पेपर का कुल अंक 250 होगा।

## नगर परिषद के दावे हवा- हवाई, लोग हो रहे परेशान

# सड़क बन गई तालाब, शहर के बराही रोड पर भर रहा गंदा पानी

बहादुरगढ़। बराही रोड पर भरा गंदा पानी दिखाते पूर्व पार्षद संदीप व अन्य

झज्जर। लालचंद कालोनी में भरा बरसाती पानी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के बराही रोड पर फाटक के बाद बिना बारिश ही गंदा पानी सड़क पर भरा हुआ है। यह गंदा पानी सरकारी व्यवस्थाओं की पोल खोल रहा है। नगर परिषद ने लाखों रुपए खर्च करके जलनिकासी के लिए व्यवस्था भी की। लेकिन यह विफल साबित हो रही है और लोगों की परेशानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पूर्व पार्षद संदीप कुमार, महेंद्र, जगबीर, राजू पांचाल, रामकुमार, सत्यदेव प्रधान, लक्ष्मण, रोहताश, संजू वाल्मीकि और सतबीर स्वामी आदि ने बताया कि बिना बारिश के ही बराही रोड पर फाटक के बाद गंदा पानी सड़क पर भरा हुआ है। यह गंदा पानी जलनिकासी सिस्टम की स्थिति उजागर कर रहा है। गंदा पानी भरने से सड़क गंदा तालाब बन गई है। जलभराव से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। बड़े हिस्से में कीचड़ भरने से वाहन फंसने लगे और यातायात प्रभावित हो रहा है।

### लालचंद कालोनी में जलभराव से लोग परेशान

**झज्जर।** पिछले दिनों आई बरसात के बाद शहर की लालचंद कालोनी में भरा बरसाती पानी अभी तक नहीं निकल पाया। कालोनीवासियों का कहना है कि यहां नालियों का लेवल नीचा होने के कारण पानी निकासी की व्यवस्था सही नहीं है। नियमित सफाई के अभाव में नालियों का गंदा पानी भी ओवरफ्लो होकर सड़क पर फैल जाता है। ऐसे में पिछले दिनों आई तेज बरसात ने इस कालोनी की सूरत और अधिक बिगाड़ कर रख दी। कालोनीवासी जोनी व दीपक ने बताया कि वे इस संबंध में संबंधित कर्मचारियों व अधिकारियों को भी अवगत करा चुके हैं लेकिन कुछ समाधान नहीं हुआ। हालांकि रविवार को एक सफाई कर्मचारी ने यहां पहुंच कर नालियों की सफाई कर पानी निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने का प्रयास किया। इसी प्रकार शहर की प्रिया कालोनी में भी एक गली का लेवल नीचा होने के कारण उसमें जलभराव की स्थिति बनी रहती है। कालोनी वासियों का कहना है कि पहले उनकी कालोनी की अन्य गलियों में भी जलभराव की समस्या रहती थी लेकिन गलियों को पक्का करने के दौरान उनका लेवल ऊंचा कर दिया गया जिस कारण पानी भर रहा है।

बहादुरगढ़। हवन में आहूति डालते शहर के मौजिज लोग। फोटो : हरिभूमि

# पहलगाम के मृतकों की तेरहवीं पर हुआ हवन

## आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

- मौजिज लोगों के साथ भगत सिंह मैत्री संस्था ने दिवंगत पर्यटकों को अर्पित की श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष पर्यटकों की तेरहवीं पर उनकी आत्मा की शांति के लिए रविवार को शहीदी स्मारक पर हवन और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। भगत सिंह मैत्री संस्था द्वारा आयोजित इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहर के मौजिज लोगों ने दिवंगत पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पंडित महेंद्र वत्स के सानिध्य में हुए हवन में आहुति डालने के साथ ही दो मिनट का मौन धारण करके दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई। भगत सिंह मैत्री संस्था के अध्यक्ष प्रदीप यादव, चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी, श्रीनिवास गुप्ता, वेद प्रधान, जयपाल सांगवान, पार्षद बिजेंद्र दलाल, रजनीश मोनू, सचिन दलाल, सत्येंद्र दहिया आदि ने निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना हमले की निंदा करते हुए हमले के दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। सभा में मौजूद राजेश खत्री, राजकुमार अरोड़ा, सत्यपाल सिंह, जगदीश एलाबादी, अजय ग्रेवाल, बबीता दहिया, सतबीर दहिया, संजय, धनराज तहलान, मंगू नंबरदार, विक्की शर्मा, मोनू सराय, सुनील कुमार, मनीष परनाला, लवलीन अग्रवाल, अरुण कुमार, शशांक अग्रवाल, संजीव कुमार, मास्टर वीरेंद्र छुड़ानी, कृष्ण लोहचब, सतपाल, संजय सांखोल, ओमबीर छिकारा, बलवीर सिंह, राजकुमार, सत्यवान, वंश शर्मा, शिवकुमार शर्मा, अनिल तंवर, श्रीनिवास छिकारा, शिवम भारद्वाज, सुरेश राठी, जगदीश सहवाग, वीरेंद्र वत्स, सतपाल सिंह, पृथ्वी व सिद्धांत आदि ने भी मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

# मंडियों में सरसों व गेहूं के उठान में तेजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। अनाज मंडी परिसर में सूखने के लिए फैलाकर रखी हुई सरसों।

बरसात रूकने के दो दिन बीत जाने के बाद भी रविवार को अनाज मंडी परिसर में आढ़ती व श्रमिक भीगी गेहूं व सरसों की फसलों को सुखाते रहे। आढ़तियों का कहना है कि गेहूं व सरसों की बोरियां नीचे से भीग जाने के कारण नमी ज्यादा बन गई है। जिसे सूखने में अभी समय लगेगा। वहीं डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि जिला की मंडियों में एक लाख 83 हजार 829 एमटी गेहूं की खरीद की गई है और अब तक 1 लाख 96 हजार 916 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। जबकि एक लाख 52 हजार 71 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है। इसके अलावा 33 हजार 876 एमटी सरसों खरीद की जा चुकी है, जबकि 35 हजार 94 मीट्रिक टन सरसों की आवक दर्ज की गई है और 32 हजार 608 मीट्रिक टन सरसों का उठान हो चुका है।

# बहादुरगढ़ के जैन मंदिर में पहुंचे मंत्री अरविंद शर्मा

- भव्य जैन मंदिर निर्माण के साथ पंचकल्याणक के सफल आयोजन के लिए दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। जैन मंदिर में डॉ अरविंद शर्मा को स्मृति चिह्न देते समाज के पदाधिकारी।

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा रविवार को शहर की अग्रवाल कॉलोनी में पहुंचे। यहां बनाए जा रहे भव्य श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में पूजा अर्चना करने के उपरांत उन्होंने सकल जैन समाज को मंदिर निर्माण के साथ पंचकल्याणक के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इसके अलावा वे सेक्टर-6 में भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन के निवास पर भी पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत व सम्मान किया गया। रविवार को जैन मंदिर में पहुंचने पर प्रधान राजीव जैन, मुनीष जैन, नरेंद्र जैन, सुधीर जैन, अरविंद जैन व डॉ. पंकज जैन ने कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने सकल जैन समाज की ओर से उनका स्वागत किया। मंदिर में पूजा अर्चना करने के उपरांत जैन समाज के पदाधिकारियों ने डॉ अरविंद शर्मा का पटका पहनाकर स्वागत किया और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। उन्होंने बताया कि इस भव्य मंदिर का निर्माण करने के साथ ही पंचकल्याणक का आयोजन कर यहां 19 प्रतिमाएं विराजमान की गई हैं। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने मंदिर के दर्शन करने के बाद सेक्टर-6 में भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन के निवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। डॉ पंकज जैन व उनके परिजनों ने डॉ. अरविंद शर्मा का जोरदार स्वागत किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

### मांडोठी से थ्री व्हीलर चोरी

**बहादुरगढ़।** गांव मांडोठी के स्टैंड से अज्ञात व्यक्ति एक थ्री व्हीलर चुरा ले गया। ओमप्रकाश बहादुरगढ़ शहर में थ्री व्हीलर चलाता है। वह रात को ऑटो अपने घर मांडोठी ले जाता है। शुक्रवार रात साढ़े 10 बजे उसने अपना थ्री व्हीलर मांडोठी स्टैंड पर खड़ा कर दिया और दुकान से सामान लेने चला गया। वापिस लौटा तो ऑटो वहां नहीं था। पुलिस ने अज्ञात चोर के विरुद्ध बीएनएस की धारा 305 के तहत केस दर्ज किया है।

# राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दस मई को

विशाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव।

**झज्जर।** जिला मुख्यालय व उपमंडल बहादुरगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी दस मई को किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए विभिन्न बैंकों, सरकारी विभागों इत्यादि के उच्च अधिकारियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया गया। जिसमें आम जनता को अधिकतम छूट एवं वाहन बिजली निगम, सिंचाई विभाग व पंचायती राज, जिससे आम जनता को लोन रिकवरी केस में अधिकतम छूट वाहन दुर्घटना मुआवजा में अधिकतम मुआवजा आपसी सहमति के आधार पर दिया जा सके। उन्होंने कहा कि छोटे अपराधों में ट्रैफिक चालान व फैक्ट्री इत्यादि मामलों के निपटारे में रियायत एवं नरमी बरती जाएगी। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन फिजिकल तरीके से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के लिए पांच बैंचों का गठन किया गया है। जिसमें चार बैंच झज्जर के लिए व एक बैंच उपमंडल बहादुरगढ़ के लिए गठित की है।

झज्जर। दुकानों के बाहर रखे सामान को हटवाते हुए यातायात प्रभारी नरेश कुमार।

# यातायात पुलिस ने किया दुकानदारों को अतिक्रमण न करने के प्रति जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार को यातायात प्रभारी नरेश कुमार की टीम ने शहर के अंबेडकर चौक से लेकर छिकारा चौक, बीकानेर चौक से यादव धर्मशाला और सिलानी गेट क्षेत्र के दुकानदारों को अतिक्रमण न करने और दुकानों के बाहर डस्टबिन रखने और कूड़ा डस्टबिन के अंदर डालने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से जहां शहर सुंदर दिखाई देगा, वहीं अतिक्रमण न करने के यातायात व्यवस्था भी सुगम रहेगी और आमजन को आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। बता दें कि जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने शहर में अतिक्रमण न करने और यातायात व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए दिशा निर्देश दिए थे। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5×8 सें.मी<br>10× 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2500/-<br>रु. 3000/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

## शस्त्र सीमा बल के मुख्यालय सभागार में आयोजन

# एनसीआर के बुद्धिजीवियों ने पद्मश्री डॉ. संतराम देशवाल को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। डॉ. संतराम देशवाल को सम्मानित करते आयोजक।

दिल्ली एनसीआर के बुद्धिजीवियों ने पद्मश्री अवार्ड मिलने की खुशी में बहादुरगढ़ के गांव खेड़का गुर्जर निवासी डॉ. संतराम देशवाल का अभिनंदन किया। दिल्ली के महरौली-गुड़गांव रोड स्थित शस्त्र सीमा बल के मुख्यालय सभागार में आयोजित भव्य समारोह में उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। देशवाल खाप के महासचिव कप्तान सिंह देशवाल, सुरेश देशवाल और नाहर सिंह देशवाल ने पगड़ी बांधकर डॉ संतराम देशवाल को सम्मानित किया। उनकी पत्नी डॉ राजकला देशवाल, पुत्र उदित देशवाल, गोपेंद्र देशवाल, पुत्रवधु दीपिका देशवाल, पौत्री देवांगना तथा तारांगना का भी स्वागत किया गया। डॉ संतराम देशवाल ने पद्मश्री मिलने तक की अपनी सफलता के संकल्प, संघर्ष, सेवा, समर्पण, शिक्षा, साहित्य सृजन और संस्कृति संरक्षण नामक सात सूत्र और कारण भी बताए। अब हरियाणा के रहने वालों की पहचान किसान, जवान, पहलवान के साथ ही विद्वान के रूप में बनी है। समारोह की अध्यक्षता पूर्व आईएएस अधिकारी ओम सिंह देशवाल ने की। संचालन सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र देशवाल ने किया। शस्त्र सीमा बल के कमांडर विजयेंद्र जागलान और आईआरएस अधिकारी मनोज धनखड़ के सान्निध्य में में कई शहरों के बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। समारोह के समापन पर पंडित लखमीचंद पुरस्कार अवार्डी डॉ राजकला देशवाल ने आभार व्यक्त किया।